(S.K.4)

सामान्य अध्ययन (टेस्ट - VI)

GENERAL STUDIES (Test - VI)

मॉड्यूल - VI / Module - VI

DTVF/17–M–GS6

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): अनिरुद्ध कुमार

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ✓ नहीं

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date):

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

0	0	9	8	5	1	4

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिन्दी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature):

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

Category	Grade
Introduction	C
Context	C
Language	C
Content	C
MARKS	45¼ /250
Conclusion	C
Structure	D+
Current Link / Examples	C

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

व्यापक विश्लेषण / Macro Analysis

1. सभी प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करें।
2. प्रश्न को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उसी के अनुरूप सभी पक्षों का संतुलित उत्तर दें।
3. पर्याप्त तर्क / तथ्य / उदाहरण शामिल कर अपने उत्तर की गुणवत्ता बढ़ायें।

Grade Card	
Grade 'A'	Very Good
Grade 'B'	Good
Grade 'C'	Satisfactory
Grade 'D'	Poor

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

1. यद्यपि आसियान (ASEAN) ने अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूरे कर लिये हैं, परंतु दक्षिणी चीन सागर विवाद के कारण क्षेत्र में अस्थिरता का खतरा भी है। चर्चा करें। (250 शब्द) 12.5

Though ASEAN completed 50 years of its formation but there is a threat of instability also, because of South China Sea dispute. Discuss. (250 words) 12.5

ASEAN (एसोसिएशन फॉर साउथ ईस्ट एशियन नेशन) दक्षिणी पूर्वी एशिया के देशों का एक क्षेत्रीय मंच है जहाँ इस पूरे क्षेत्र के समग्र विकास पर बल दिया जाता है। इसकी स्थापना 1967 में हुई थी, तब से आज तक एशियाई विकास को बनाये रखने में आसियान देशों की बड़ी भूमिका रही है। आज इसके देश जैसे मलेशिया, सिंगापुर आदि अर्थव्यवस्था के दम पर एशियाई देशों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं तो दूसरी इन देशों के बीच एक मजबूत राजनीतिक एकता भी है।

परन्तु पास में चीन जैसे शक्तिशाली देश की उपस्थिति इनके लिए समस्या भी पैदा करती है। चीन जो ऐतिहासिक आधार पर दक्षिण चीन सागर पर अपना प्रभुत्व जताता है उसने यहाँ Nine Dash Line के द्वारा एक क्षेत्र निर्धारित किया है जो दक्षिण चीन सागर का लगभग 80 % हिस्सा समाहित कर लेता है।

चीन के द्वारा प्रस्तावित नाइन डैश लाइन से कई समस्यायें भी उभरती हैं –

(1) कई देशों के EEZ (Exclusive Economic Zone) इसके दायरे में आ जाते हैं जो संबंधित राष्ट्र की संप्रभुता का

पहले वैश्विक में आसियान की शुरू तक क्षेत्रीय शांति में भूमिका को उदाहरण सहित बतायें।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

का उल्लंघन है।

(ii) दक्षिण चीन सागर पर अपना अधिकार जताकर चीन नौसंचालन की स्वतंत्रता (Freedom of Navigation) के सिद्धान्त के विरुद्ध भी काम कर रहा है।

(iii) इसके अलावा चीन ने कई द्वीपों का सैन्यीकरण (militarisation) भी किया है जो इनके नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र पर एक संकट है। इसके साथ ही चीन ने समुद्र से भी जमीन प्राप्त कर कई द्वीपों का विस्तार किया है जो क्षेत्र के पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर उभरता हुआ खतरा है।

हालाँकि आसियान देशों ने चीन के इस आक्रामक व साम्राज्यवादी प्रवृति की आलोचना की है तथा अपने अधिकार के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मंचों का सहारा ले भी रहे हैं जैसे - हाल ही में फिलीपीन्स द्वारा PCA के पास मामला ले जाना। परन्तु चीन ने PCA के निर्णय को भी मानने से इनकार कर दिया।

इससे आसियान देशों के मध्य उत्पन्न तनावों को भी लिखें।

आसियान देशों के सन्दर्भ में एक प्रमुख नारा दिया जाता है - 'One Asean, One Force' परन्तु इस मुद्दे पर देश मिलकर कदम नहीं उठा रहे हैं। इनका कारण कुछ देशों के चीन के साथ अच्छे सम्बन्ध तो कुछ देशों के अपने विवाद भी है। साथ ही यह भी धारणा है

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

कि उभरती हुई चीनी शक्ति से टक्कर ले पाना किसी देश की बात नहीं है। इसी सन्दर्भ में आसियान देश भारत को एक रणनीतिक संतुलनकर्ता (Strategic Equaliser) के रूप में देखा जाता है। इसी लिये वियतनाम जैसे देश भारत से एक मजबूत संबंध स्थापित करने में लगे हैं।

2½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1	1	1/4	—	—	—
Grade	B	C	C	C			

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

2. "एक पुराना मित्र दो नए मित्रों से बेहतर है।" रूस और भारत के परंपरागत रिश्ते से हटकर नए मित्रों की तलाश के संदर्भ में उपरोक्त कथन की समीक्षा करें। (250 शब्द) 12.5

"An old friend is better than two new ones." Examine the above statement as Russia and India are moving away from the traditional relationships in search of new friends. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृपया! इन सब का प्रयोग Essay में करें। यहाँ नहीं।

भारत व रूस की मित्रता को विद्वानो द्वारा 'पहाड़ों से भी ऊंची, सागरों से भी गहरी व शहद से भी मिठी' मित्रता के रूप में परिभाषित किया जाता है। भारत के आजाद होने के बाद से ही (शीत युद्ध के समय से), कई बार महत्वपूर्ण मौकों पर रूस ने मदद की है - फिर वह चाहे UNO में कई प्रस्तावों पर वीटो करना हो (कश्मीर विवाद, दमन एवं दीव विवाद आदि) या फिर भारत के शत्रुओं से भारत की रक्षा करनी हो (खासकर 1965 के युद्ध मे व 1971 के भारत - पाक युद्ध मे)। इसी तरह रूस ने भारत के औद्योगीकरण में भी मदद की - भिलाई व बोकारो मे लोह इस्पात संयत्र की स्थापना। शीत युद्ध के दौरान भारत की रक्षा जरूरतों को पुरा करने मे मुख्यत: रूस (सोवियत संघ) का ही योगदान था।

परन्तु 1990 में सोवियत संघ के विघटन के बाद विश्व में अमेरिका के नेतृत्व में एक ध्रुवीय व्यवस्था उभरी, तब भारत ने भी मौके की नजाकत को समझते हुये अमेरिका व पश्चिमी देशों से बेहतर संबंध बनाने शुरू किये। परन्तु एक बार फिर जब 1998 के

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पोखरन विस्फोट के बाद भारत वैश्विक मंच पर अलग-थलग पड़ा हुआ था तब रूस ने बखुबी साथ दिया। पुतिन के समय से संबंधों में पुन: मजबूती आने लगी।

परन्तु भारत का USA व पश्चिमी देशों की तरफ बढ़ता झुकाव व रूस - चीन - पाकिस्तान का बनता ध्रुव आज चिन्ता का कारण बन गया है तथा इससे भारत - रूस संबंधों में तनाव उभरने लगा है -

(i) भारत का USA के साथ LEMOA समझौता करना
(ii) भारत USA व जापान द्वारा मालाबार अभ्यास
(iii) पहली बार शीत युद्ध के दो प्रतिद्वंद्वी (रूस व पाकिस्तान) देशों द्वारा युद्ध-अभ्यास।
(iv) रूस व पाकिस्तान के बीच रक्षा समझौते

परन्तु यह मामले को एकपक्षीय देखना है -

(i) भारत ने क्रीमिया के मुद्दे पर रूस के विरुद्ध वोटिंग न करके रूस का साथ दिया।
(ii) रूस द्वारा हाल ही कई रक्षा समझौते भारत के साथ हुये जैसे - कामोव हेलीकॉप्टर
(iii) इसी तरह दोनो देश कई महत्वपूर्ण रक्षा उत्पादों के विकास पर मिलकर काम कर रहे है जैसे - ब्रह्मोस की क्षमता बढ़ाना। FGFA (Fifth Generation Fighter Aircraft)
(iv) SCO की सदस्यता के मुद्दे पर भारत का समर्थन

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

अतः यह कहना जल्दबाजी होगी कि भारत व रूस के संबंधों में तनाव आ रहा है। वास्तव में भारत अपनी विदेश नीतियों को वर्तमान सन्दर्भों के अनुसार अनुकूलित कर रहा है। इसी सन्दर्भ में USA व इजरायल के साथ होने वाले रक्षा समझौते इसी रूप में देखे जाने चाहिए।

Good!

4½

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	2	1½	1/4	1/4	1/4	✓
Grade	B	B	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

3. 'ट्विटर या हैशटैग कूटनीति' की संभावनाओं तथा चुनौतियों का आलोचनात्मक विश्लेषण करें। (250 शब्द) 12.5

Critically analyze the potentials and challenges of 'Twitter or Hashtag Diplomacy'. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. क्या आप मानते है कि भारत अंतरिक्ष कूटनीति में प्रमुख प्रतिस्पर्द्धी बनता जा रहा है? (250 शब्द) 12.5

Do you think that India is becoming a key player in space diplomacy? (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत अंतरिक्ष जगत में एक उभरता (चमकता) सितारा (Bright Star) माना जा रहा है। भारत की उपलब्धियों का विश्व जगत लोहा मान रहा है। आर्थिक समीक्षा में भी इस बात पर बल दिया गया है कि सैटेलाइट मैपिंग व सैटेलाइट लाँचिंग के क्षेत्र में भारत एक महत्वपूर्ण देश बनकर उभरा है।

कृपया ! बेहतर भूमिका

यही कारण है कि कई महत्वपूर्ण देशों के साथ अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग उभर रहे हैं — द. एशियाई उदाहरण

(1) भारत द्वारा दक्षिण एशियाई देशों के लिए 'SAARC सैटेलाइट' का निर्माण

(ii) भारत द्वारा NAVIC व्यवस्था की सेवायें देने के लिए कई अफ्रीकी देशों को वादा किया गया है।

(iii) भारत UAE के 'मार्स मिशन 2020' में भी सहयोग दे रहा है।

(iv) US अंतरिक्ष एजेंसी NASA के साथ ISRO कई प्रोजेक्ट कार्यान्वित कर रहा है जैसे - NISAR प्रोजेक्ट (नासा-इसरो सिन्थेटिक अपर्चर रडार)

(v) इसी तरह इसरों द्वारा कई महत्वपूर्ण देशों जैसे USA, फ्रांस, ब्रिटेन आदि के उपग्रहों का प्रक्षेपण भी हो रहा है।

(vi) भारत ने वियतनाम में 'Tracking and Data Reception Centre' की स्थापना की गई है।

(viii) इसरों द्वारा म्यानमार में 'इण्डो म्यानमार सेंटर फॉर रिमोट सेंसिंग' की स्थापना भी की गयी है।

इसी तरह के कई अन्य पहल भारत की अंतरिक्ष कूटनीति को बल दे रहे हैं।

परन्तु भारत के समक्ष इस क्षेत्र में कई समस्यायें भी हैं —

(1) अभी भी हम महत्वपूर्ण टेक्नोलॉजी के निर्माण में काफी पिछे हैं।

(2) सैटेलाइट मैपिंग में भी हम कम रिजोल्यूशन की सेवायें उपलब्ध करा रहे हैं जबकि USA व यूरोपियन यूनियन द्वारा उच्च रिजोल्यूशन की सुविधा मुफ्त में ही उपलब्ध करायी जा रही है।

(3) भारत द्वारा प्रतिवर्ष कुल प्रक्षेपणों की संख्या भी काफी कम है। जहाँ चीन द्वारा औसतन एक वर्ष में 25-30 प्रक्षेपण हो रहे हैं वहीं भारत इनका मात्र 2/3 प्रक्षेपण ही कर रहा है।

(4) भारत के कई पड़ोसी देश जैसे पाकिस्तान, बांग्लादेश म्यानमार आदि भारत की जगह चीन से अंतरिक्ष सेवाये प्राप्त कर रहे हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

अतः भारत को अपनी तकनीकी क्षमता का विस्तार करना होगा साथ ही अपने आस-पास के देशों को विश्वास में लेकर उन्हें अंतरिक्ष सेवायें भारत से प्राप्त करने को भी राजी करना होगा।

4

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1½	1½	1/3	1/4	1/4	2
Grade	6	C	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

5. विश्व कूटनीतिक रूपांतरण के दौर से गुजर रहा है तथा अमेरिका-भारत-इज़राइल त्रिपक्षीय सहयोग समय की आवश्यकता है? चर्चा करें। (250 शब्द) 12.5

The world is witnessing diplomatic transformation and USA-India-Israel trilateral cooperation is the need of the hour. Discuss. (250 words) 12.5

विश्व कूटनीति में पिछले कुछ समय में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन उभरे हैं - उदाहरणतः

(I) NAM की नीति का पालन करने वाला भारत USA व पश्चिमी देशों की तरफ अधिक झुका है।

(II) रूस व पाकिस्तान जो शीत युद्ध में एक दूसरे के शत्रु खेमे में थे आज अपने सम्बन्धों को प्रगाढ़ कर रहे हैं।

(III) रूस, चीन व पाकिस्तान के बीच एक गुट बनता दिख रहा है तो वहीं भारत, USA, इजराइल व जापान जैसे देश एक अलग खेमे का निर्माण कर रहे हैं।

ऐसी स्थितियों में भारत भी महत्वपूर्ण सुपरपावरों से अपने सम्बन्धों को सुधार रहा है। हाल ही में अमेरिका के साथ LEMOA (Logistics exchange management of Agreement) का होना इसी दिशा में एक पहल है। इसी तरह भारत ने अपनी रक्षा जरूरतों को विविधिकृत (diversify) करना भी शुरू किया है। एक समय सोवियत रूस पर अपनी रक्षा जरूरतों के लिए 70-80% निर्भर रहने वाला भारत आज USA, इजराइल, फ्रांस आदि

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

देशों से भी रक्षा हथियार खरीद रहा है।

इसके अलावा हाई टेक टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत इन देशों से सहयोग बढ़ा रहा है जैसे अमेरिका के साथ उच्च टेक्नोलॉजी में सहयोग के लिए एक कमिटी बनी है तो इजराइल के साथ कृषि, अपशिष्ट प्रबंधन, जल प्रबंधन आदि क्षेत्रों में सहयोग बढ़ रहा है। इसी तरह भारत ने अपनी ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति हेतु शेल गैस व्यापार के सम्बन्ध में भी अमेरिका से समझौता किया है।

हाल ही में इजराइल दौरे पर गये हमारे प्रधानमंत्री ने पूर्व के विपरीत 'dehyphenation Policy' इजराइल व फिलीस्तीन के सन्दर्भ में अपनायी है जो इजराइल के साथ मजबूत होते रिश्ते की पहचान है। जिस तरह अमेरिका व इजराइल जाने पर भारतीय प्रधानमंत्री का स्वागत होता है वह पूर्व के सम्बन्धों से बेहतर होती स्थिति को दिखाता है।

———

यहाँ द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ वैश्विक राजनीति में इस ग्रुप के महत्व को बताते।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(3)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1	1	1/4	1/4	1/4	L
Grade	B	C	C	C	D	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks							
Grade							

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. भारत एवं यूरोपीय संघ के मध्य 'मुक्त व्यापार समझौता' मूर्तरूप लेने में असफल रहा है। समझौते के मार्ग में उपस्थित गतिरोधों की संक्षेप में चर्चा करें। (250 शब्द) 12.5

'Free Trade Agreement' between India and EU was failed to take shaped. Discuss the various roadblocks in achieving the path of agreement. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत व यूरोपीय संघ के बीच लंबे समय से BTIA (Bilateral Trade & Investment Agreement) पर वार्तायें (Negotiations) चल रही हैं परन्तु इसमें सफलता अभी नहीं मिली है। कई प्रमुख गतिरोध के बिन्दु हैं—

(1) EU भारत में ऑटोमोबाइल, शराब आदि क्षेत्रों को खोलने पर बल दे रहा है पर भारत इससे सहमत नहीं है।

(2) भारत द्वारा 'सेवा क्षेत्र' के लिए यूरोपीय बाजारों को खोलने की मांग की जाती है जो EU के देश नहीं चाहते।

(3) इसी तरह भारत में बौद्धिक सम्पदा अधिकार कानूनों (IPR) की स्थिति को लेकर भी EU के देशों में भय व्याप्त है। वे मानते हैं कि भारत में IPR कानून काफी लचीले हैं तथा बौद्धिक संपदा की सुरक्षा के लिए पर्याप्त नहीं है।

TRIPS+ को भारत ने नहीं स्वीकारा

(4) इसी तरह EU के देशों द्वारा भारत के ऊपर सरकारी खरीद नीति में विदेशी कंपनियों की तुलना में भारत की स्थानीय कंपनियों को favour करने की बात कही जाती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इसके अलावा भी कई अन्य विवाद के मुद्दे भारत-EU मुक्त व्यापार समझौते मे बाधा बनते है। इसके अलावा USA व EU के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते ने भी भारत-EU समझौते के महत्व को कम किया है।

को

EU द्वारा भारत को डाटा सुरक्षित राष्ट्र का दर्जा नहीं देना।

परन्तु भारत को इस समझौते को मूर्तरूप देने के लिए कठिन प्रयास करने चाहिए क्योंकि EU भारत के लिए एक प्रमुख बाजार है। साथ ही यह भारत के 'मेक इन इंडिया', 'स्मार्ट इंडिया', 'डिजिटल इंडिया' जैसे पहलों में निवेश लाने मे भी मदद करेगा। इसके अलावा भारत EU के देशों की वृद्ध होती जनसंख्या (Ageing Population) के कारण घटते श्रमबल को भी पूरा करने में सक्षम हो सकेगा।

$5\frac{1}{4}$

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	2	$1\frac{1}{2}$	$\frac{1}{4}$	$\frac{1}{4}$	$\frac{1}{4}$	✓
Grade		B	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

8. 'दक्षिण एशिया उपग्रह' भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी' के क्रियान्वयन हेतु सॉफ्ट पावर अथवा अंतरिक्ष कूटनीति का विशिष्ट उदाहरण है। स्पष्ट करें। (250 शब्द) 12.5

'South Asia Satellite' is a fine example of soft power or space diplomacy for the implementation of India's 'Neighbourhood First Policy'. Substantiate it. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

भारत की वर्तमान विदेश नीति का एक प्रमुख पहलू है 'नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी'। इसके तहत भारत पड़ोसी देशों से अच्छे सम्बन्ध बनाने का प्रयास कर रहा है। कहा जाता है - "Bad neighbour is misfortune as much as good neighbour is great blessing"

अतः पड़ोसी देशों के साथ अच्छे सम्बन्ध किसी देश की मजबूत विदेश नीति की बुनियाद होते हैं इसी सन्दर्भ में भारत ने अंतरिक्ष डिप्लोमेसी को महत्वपूर्ण दिशा देते हुये 'दक्षिण एशिया उपग्रह' (SAARC सेटेलाइट) की संकल्पना दी थी।

वास्तव में अंतरिक्ष जगत में भारत की क्षमता में उत्तरोत्तर विकास हुआ है तथा कई छोटे व विकासशील देश भारत की तरफ आस लगाये हुये हैं अतः भारत ने उन्हें मुफ्त में अंतरिक्ष सेवायें प्रदान करने के लिए इस पहल की शुरूआत की है।

यह पहल भारत के सॉफ्ट पावर को मजबूती प्रदान करेगा पर साथ ही साथ यह भारत के लिए भविष्य में आर्थिक रूप से भी लाभप्रद साबित होगा।

पर्याप्त तथ्यों/तर्कों का अभाव

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

परन्तु इस कूटनीति के समक्ष कई समस्यायें भी उभरी हैं खासकर पाकिस्तान द्वारा इस सेटेलाइट का विरोध, इस तर्क पर कि भारत इसका उपयोग कर पड़ोसी देशों पर निगरानी (surveillance) मजबूत करेगा एक नाकारात्मक अभिरूची पैदा करता है इसके अलावा आज भी भारत के पड़ोसी देश अंतरिक्ष सेवाओं के लिए USA व मुख्यतः चीन पर निर्भर हैं पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यानमार, थाईलैंड, कम्बोडिया आदि देश चीन के द्वारा दी जाने वाली अंतरिक्ष सेवाओं पर निर्भर हैं जो भारत के सामने एक प्रमुख चुनौती है इसके अलावा भारत का तकनीकी कुशलता अभी उतनी नहीं उभर पायी है जितनी की अन्य विकसित देशों की है। हाल ही ही PSLV का विफल होना इसी दिशा की तरफ संकेत है।

अतः जरूरत है कि भारत अपने पक्ष को पड़ोसी राष्ट्रों के समक्ष मजबूती से रखे, उन्हें अपनी अंतरिक्ष सेवायें देकर न केवल उनकी चीन पर निर्भरता घटाये वरन् उनके भूमि प्रबंधन, जल प्रबंधन, वन प्रबंधन, मिट्टी प्रबंधन आदि को मजबूत बनाकर उनके विकास में भी योगदान करे।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

3

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1	1	1/4	1/4	1/4	✓
Grade	R	L	C	C	R	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

9. दक्षेस की अपेक्षा बिम्सटेक ने सदस्य देशों को एक बेहतर 'विकास मंच' प्रदान किया है। कथन को स्पष्ट करते हुए बताएँ कि यह भारत को विकास के कौन-से नए अवसर मुहैया करा सकता है? इस संगठन के समक्ष उपस्थित चुनौतियों पर भी चर्चा करें। (250 शब्द) 12.5

As SAARC waned, BIMSTEC provided development platform for member countries. By explaining above statement, clarify what kinds of opportunities can it provide to India? Discuss the challenges ahead of BIMSTEC. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दक्षेस (SAARC) पिछले कई समय से ~~केवल~~ 'विकास का मंच' की जगह केवल 'विवाद का मंच' बनकर रह गया है। भारत व पाकिस्तान जैसे घुर विरोधी देशों का एक मंच पर होना इसे असफल बना रहा है। सार्क में इसी कारण कोई महत्वपूर्ण निर्णय नहीं ले जा रहे हैं। इसे निम्न उदाहरणों में देख सकते हैं -

(1) SAFTA (दक्षिण एशिया मुक्त व्यापार समझौते) 2006 में हस्ताक्षरित हुआ था फिर भी दक्षिण एशियाई देशों का आपस में व्यापार उनके कुल व्यापार का मात्र 5% है। (विश्व बैंक की रिपोर्ट)

(2) 2020 तक SACU (South Asia Custom Union) का निर्माण होना था पर इसी तरह SAEU (South Asia Economic Union) का ही निर्माण नहीं हो पाया है।

(3) इसी तरह देशों के बीच आपसी कनेक्टिविटी के लिये कोई पहल नहीं हो पायी है जो व्यापार के लिए अत्यंत जरूरी है। अतः इसी कारण भारत ने BBIN मोटर वेहिकल एग्रीमेंट पर बल दिया।

(4) इसी तरह अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग के लिए सार्क सैटेलाइट का भी पाकिस्तान द्वारा व्यापक विरोध हुआ।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

अत: उपरोक्त सन्दर्भों के कारण (SAARC – Pak) (मात्र मामला पाकिस्तान)
जैसे सन्दर्भ भी उभरते लगते हैं।
परन्तु भारत ने अब SAARC की जगह BIMSTEC पर बल देने का निर्णय किया है क्योंकि इसके भारत के दो घोर विरोधी चीन व पाकिस्तान में से कोई नहीं है। अत: पिछले साल गोवा में BRICS सम्मेलन में BIMSTEC देशों को भी बुलाया गया था।

BIMSTEC कई मायनों में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है – देशों के बीच आपसी जुड़ाव (BBIN मोटर वेहिकल एग्रीमेंट, कालादान मल्टीमोडल प्रोजेक्ट, IMT हाइवे आदि), मिलकर बंगाल की खाड़ी व हिंद महासागर के पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करते हुए 'Blue Economy' के क्षेत्र में सहयोग आदि।

परन्तु BIMSTEC के समक्ष भी कई चुनौतियाँ हैं –

(1) 1997 में बिम्सटेक के निर्माण के बावजूद अभी तक मात्र 3 बैठकें – 2004, 2008 व 2014 में।

(2) 2014 से पूर्व तक बिम्सटेक का कोई स्थायी सचिवालय भी नहीं था – जो इसकी कम प्रासंगिकता को दिखाता है।

(3) BIMSTEC के कई देशों का चीन से अच्छा संबंध है जैसे – म्यानमार।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(4) इसी तरह भारत के कई पड़ोसी देश भी समय-समय पर 'चीन कार्ड' खेलने की कोशिश करते हैं जैसे नेपाल द्वारा चीन से ईंधन आपूर्ति समझौता, तियानजिन पोर्ट के उपयोग के लिए समझौता आदि।
इसी तरह श्रीलंका द्वारा चीन को 'हम्बनटोटा बंदरगाह' विकास के लिए देना व 'कोलम्बो सिटी प्रोजेक्ट' पर चीनी निवेश आदि।

अत: भारत को बिम्सटेक को केवल पाकिस्तान व चीन को अलगाव में करने के मंच के रूप में नहीं विकसित करना चाहिए बल्कि एक व्यापक सोच के तहत आपसी जुड़ाव व विकास पर बल देना चाहिए। बिम्सटेक को भारत अपने उत्तरी पूर्वी भारत के विकास व आसियान देशों के साथ एक पुल (bridge) के रूप में महत्व देना चाहिए।

(4)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1½	1½	1/4	1/4	1/2	2
Grade	B	C	C	C	A	A	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

10. रोहिंग्या समुदाय की समस्या अब घरेलू समस्या न रहकर एशिया की क्षेत्रीय समस्या हो गई है। इस संदर्भ में रोहिंग्या समुदाय की समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए बताएँ कि वैश्विक स्तर पर इसके लिये कौन-कौन से प्रयास किये जा सकते हैं? (250 शब्द) 12.5

The problem of Rohingya community became a regional problem of Asia rather than domestic. In this context highlight the problems of Rohingya community and what efforts can be made at global level to solve this problem? (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

रोहिंग्या समुदाय को संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व की सबसे ज्यादा Persecuted Community का दर्जा दिया है। ये म्यानमार के रखिने प्रांत में रहने वाले समुदाय आज सरकार व उसकी एजेंसियों के हाथों गंभीर उत्पीड़न के शिकार हुये हैं तथा एक 'Stateless entity' के रूप में म्यानमार से भागने को मजबूर हैं। ये आसियान के देशों मलेशिया, इंडोनेशिया के साथ साथ भारी संख्या में बांग्लादेश व श्रीलंका तथा भारत की तरफ आ रहे हैं। इसी दौरान नावों से यात्रा के समय ये 'Boat People' (UN ने कहा है) कई दुर्घटनाओं का शिकार होकर मृत्यु को प्राप्त हो रहे हैं। इसके अलावा प्रवासन के देश में पहुँचने पर भी इन्हें वापस समुद्र में ही खदेड़कर भगाया जा रहा है। अब तक अकेले केवल बांग्लादेश में 4 लाख से ज्यादा रोहिंग्या प्रवेश कर चुके हैं।

कृपया English के शब्द प्रयोग न करें। इन्हें देवनागरी में या हिंदी में लिखें।

वास्तव में रोहिंग्या एक मुस्लिम समुदाय है तथा म्यानमार में बौद्ध समुदाय की प्रमुखता है अतः

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

दोनों के बीच द्वन्द्व हमेशा से रहा है परन्तु बाद में मिलिट्री सरकार द्वारा इनका काफी शोषण हुआ इनसे नागरिकता छीन ली गयी, काफी अत्याचार सेना द्वारा भी किया गया। हाल में इनके खिलाफ उत्पीड़न की घटनायें तेजी से बढ़ी हैं जिसने इन्हें शरण के लिए दूसरे देशों की तरफ प्रवास को मजबूर किया है।

इस सन्दर्भ में निम्न प्रयास किये जा सकते हैं—

1. भारत, बांग्लादेश, मलेशिया, इंडोनेशिया जैसे देशों को अत्यकालिक रूप से मानवीय आधार पर इन्हें आश्रय देना चाहिए।
2. इसके अलावा इनके रुकने के कैंपों में मेडिकल व स्वास्थ्य सुविधायें भी उपलब्ध करायी जायें।
3. अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को मजबूती से उठाकर म्यानमार सरकार पर दबाव बनाये जाने चाहिए साथ ही शांतिपूर्ण तरीके से समझौते कराने के प्रयास कराये जाने चाहिए।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(3½)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	¼	1½	1½	¼	—	✓	✓
Grade	B	C	C	C			

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question numbers in this space)

11. भारत तथा ईरान के मध्य संबंधों के बदलते आयाम एशिया में भू-राजनीतिक दशा को प्रभावित करेंगे। इस कथन की समीक्षा करते हुए भारत तथा ईरान के मध्य संबंधों को मजबूत करने के उपायों की चर्चा करें। (250 शब्द) 12.5

The changing dimension in the relationship between India and Iran will affect geopolitical situation in Asia. While reviewing this statement, discuss ways to strengthen relations between India and Iran. (250 words) 12.5

भारत व ईरान के बीच ऐतिहासिक रूप में व्यापारिक व सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। आज भी पश्चिम एशिया क्षेत्र में ईरान भारत का एक प्रमुख भागीदार है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों (तेल का आयात) का एक बड़ा भाग ईरान से पूरा करता है। इसके अलावा ईरान में एक बड़ा भारतीय समुदाय भी है जो भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही ईरान की भू-राजनीतिक स्थिति (ईरान पश्चिम एशिया, मध्य एशिया व दक्षिण एशिया के संगम पर स्थित है) भी ईरान को महत्वपूर्ण बनाती है। ईरान को भारत के लिए पश्चिम एशिया का प्रवेश द्वार (gateway) व अफगानिस्तान व मध्य एशिया तक पहुँच की कुंजी (Key) माना जाता है।

परन्तु पिछले कुछ समय से ईरान के सम्बन्धों में कई परिवर्तन उभरे हैं —

(1) ईरान व चीन की बढ़ती निकटता → चीन का ईरान में व्यापक निवेश व व्यापार है। भारत व ईरान के बीच $15 bl का व्यापार है तो चीन के साथ ईरान का $52 bl का व्यापार है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

ईरान पर प्रतिबंध हटने के बाद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग पहले राष्ट्राध्यक्ष थे जो ईरान की यात्रा पर गये थे।

(ii) भारत की इजराईल से बढ़ती निकटता

(iii) भारत की साऊदी अरब व UAE आदि देशों से बढ़ती निकटता

(iv) कश्मीर के मुद्दे पर ईरान का पाकिस्तान का पक्ष लेना

ये सभी भारत व ईरान के रिश्तों में तनाव पैदा कर रहे हैं। यही कारण है कि ईरान की यात्रा पर गये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा वापसी के तुरंत बाद ईरान के धार्मिक नेता ने टिप्पणी की कि (i) भारत का फरजाद गैस फील्ड पर एकाधिकार नहीं है (ii) भारत का चाबहार क्षेत्र पर एकाधिकार नहीं है।

अतः भारत को अपने रिश्तों में संतुलन बनाना होगा। भारत के लिए अफगानिस्तान व मध्य एशिया में प्रवेश का एकमात्र अभी ईरान (चाबहार बंदरगाह) है साथ ही भारत आज भी अपनी ऊर्जा जरूरतों का एक बड़ा भाग जीवाश्म ईंधनों से प्राप्त करता है जो हमारी ईरान पर निर्भरता बढ़ाते हैं।

अतः भारत को ईरान से बेहतर सम्बन्ध बनाने होंगे। खासकर G2G, B2B (Business to Business)

प्रश्न को ध्यानपूर्वक पढ़ें ↓ एशिया की भूराजनैतिक दशा पर प्रभाव ↓ इस पर तर्क

कैसे? विस्तार से बताते

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

व P2P (People to People) संबंधों को मजबूत करना होगा। इसके अलावा अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर भी ईरान का साथ देना होगा (जैसा चीन करता है)

1/2

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1/2	1/2	1/4			
Grade	B	D	D	C			

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. भारत से प्रतिभा का पलायन एक तरफ तो लाभकारी सिद्ध हुआ है, परंतु साथ ही कुशल भारतीयों की कमी ने विकसित भारत के स्वप्न को चुनौती भी प्रदान की है। इस संदर्भ में भारत सरकार द्वारा प्रवासी भारतीय लोगों (NRIs) को आकर्षित करने के लिये उठाए गए कदमों की चर्चा करें। 12.5
(250 शब्द)

Migration of talent from India has proved to be beneficial on one side but on other side lack of skilled Indians has also challenged the dream of developed India. In this context, discuss the steps taken by the government of India to attract NRIs to India. 12.5
(250 words)

1960-70 के दशक में भारत के समक्ष एक बड़ी समस्या 'Brain drain' की थी अर्थात भारत से प्रतिभाओं का पलायन। परन्तु उदारीकरण व वैश्वीकरण के बाद भारत में सुधारों के अनुरूप इनमें कमी आयी (Brain Reversal की बात कही जाने लगी) परन्तु आज भी बड़ी संख्या में भारतीय विदेशों में काम कर रहे हैं, महत्वपूर्ण संस्थाओं में योगदान दे रहे हैं उदाहरणस्वरूप अमेरिका की सिलिकॉन वैली के विकास में भारतीयों का प्रमुख योगदान रहा है। इसी प्रकार अरब देशों के विकास में भी भारतीयों की प्रमुख भूमिका रही है।

भारत सरकार ने भी अपने डायस्पोरा के महत्व को पहचानते हुये कई प्रयास किये हैं —

① वैसे तो डायस्पोरा के लिए प्रयास नेहरू व इंदिरा गांधी के समय से ही चल रहे थे पर इनमें तेजी राजीव गांधी के समय आयी।

② वाजपेयी सरकार ने डायस्पोरा पर महत्व देते हुए L.M. सिंघवी कमेटी बनायी जिसकी अनुशंसाओं के अनुरूप

(a) प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाने लगा।

(b) प्रवासी भारतीय अवार्ड दिया गया

(c) एक अलग से 'Ministry of Overseas Affair' का भी निर्माण हुआ।

③ सरकार ने 2005 में OCI (Overseas Citizen of India) की व्यवस्था शुरू की। हाल ही में एक नागरिकता संशोधन विधेयक भी लाया गया है जिसके तहत PIO व OCI कार्डधारकों को एक किया जा रहा है ताकि PIO को भी OCI के समान सुविधा मिले।

④ इसी तरह सरकार ने 'Know your India', 'Study your India' जैसे अनेक कार्यक्रम भी डायस्पोरा के लिए चलाये।

⑤ हाल ही में संकटग्रस्त क्षेत्र से निकालने के लिए कई अभियान चलाये गये — ऑपरेशन संकट मोचन (दक्षिण सूडान से भारतीयों को निकालने के लिए), ऑपरेशन राहत (यमन से भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए)

ये सभी भारतीय विदेश नीति में बढ़ते डायस्पोरा के महत्व को ही दिखाते हैं।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

3

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1	1	1/4	1/4	1/4	✓
Grade	B	C	C	C	[illegible]	[illegible]	

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

13. हाल के समय में भारत और ऑस्ट्रेलिया निकट सहयोगी के रूप में उभरे हैं क्योंकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में उनके समान हित हैं। चर्चा करें। (250 शब्द) 12.5

In recent times, India and Australia has evolved as a close ally because they have common interests in Indo- Pacific region. Discuss. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत व आस्ट्रेलिया दोनो ही कॉमनवेल्थ समूह के सदस्य रहे है जो उनकी एक समान ऐतिहासिक विरासत को दिखाता है। इसके अलावा दोनो हिंद महासागर से भी जुड़े है (दोनो IORA के सदस्य भी है) (हमारे PM ने आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री के दौरे पर कहा था – "भारत व आस्ट्रेलिया हिंद महासागर की धाराओं से जुड़कर अपना भाग्य निर्मित करेंगे।"

हाल के समय एशिया – प्रशांत क्षेत्र में चीन जैसे देश का उभरना, उसका आक्रामक रवैया भारत व आस्ट्रेलिया को साथ लाने में काफी सहायक रहा है। इसी कारण मालाबार युद्धाभ्यास में भारत, USA व जापान के अलावा आस्ट्रेलिया भी साझेदार था। इसके अलावा RCEP (Regional Comprehensive Economic Partnership) जैसे नये मंचों का निर्माण दोनो देशों के बीच सहयोग व संबंधों के नये पक्षों को उजागर करेगा।

हाल ही में हुये जकार्ता में IORA के (Indian Ocean Rim Association) की पहली वार्षिक

प्रश्न को ध्यान पूर्वक पढ़े
हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में समान हित न कि द्विपक्षीय सम्बन्ध

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

बैठक में भी दोनों देशों ने हिंद महासागर को सुरक्षित बनाने, संसाधनों का संपोषणीय दोहन कर 'Blue Economy' को मजबूती देने पर बल दिया गया।

भारत ने आस्ट्रेलिया के 'सिविल न्यूक्लियर एग्रीमेंट' भी किया है ताकि भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के लिए आस्ट्रेलिया से यूरेनियम की अबाध आपूर्ति हो सके।

इसके अलावा आस्ट्रेलिया ने 'न्यू कोलम्बो प्लान' को फिर से पुनर्जीवित करने की बात की है। यह छात्रों, अनुसंधान विशेषज्ञों के आपसी आदान-प्रदान का समझौता है जो दोनों देशों के बीच जुड़ाव को मजबूत करेगा।

~~इसके साथ ही~~

1

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	½	½	—			—
Grade		D	D				

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

14. प्रायः यह देखा जाता है कि अल्पविकास की स्थिति विद्रोह एवं अतिवाद को जन्म देती है परन्तु हाल ही में भारत के विकसित राज्यों में उत्पन्न हुई विद्रोह की स्थितियाँ कुछ और ही तस्वीर पेश करती है। कारण स्पष्ट करें एवं बताएँ कि इन स्थितियों से बचने हेतु क्या किया जा सकता है? (250 शब्द) 12.5

It is often witnessed that underdevelopment generates insurgency and extremism. but recent uprisings in developed states presents the different picture. Articulate the reasons and suggest the measures to avoid such situations? (250 words) 12.5

पिछले कुछ समय में विकसित राज्यों में विद्रोह व हिंसा की घटनायें हुई जिसके कई ~~मिश्रित~~ कारण रहे है—

(1) पिछड़ी जाति में शामिल होने की मांग ताकि आरक्षण का लाभ उठाया जा सके। इसके लिए हरियाणा में जाट आंदोलन, गुजरात में पाटीदार आंदोलन आंध्र प्रदेश में कापू समुदाय द्वारा आंदोलन ~~आ~~ इत्यादि हुये।

(2) पानी की आपूर्ति को लेकर → कावेरी नदी के जल बंटवारे को लेकर कर्नाटक व तमिलनाडु के बीच विवाद व हिंसा की स्थिति रही।
इसी तरह सतलज यमुना लिंक (SYL) को लेकर पंजाब व हरियाणा के बीच विवाद रहा।

(3) कृषि में व्याप्त संकट → कृषि में किसानों द्वारा अपनी फसल के पर्याप्त मूल्य न मिलने के कारण मध्यप्रदेश जैसे राज्य जो लगातार कई सालों से

Copyright – Drishti The Vision Foundation

'कृषि कर्मण अवार्ड' जीत रहे है, वहाँ भी किसानों ने आंदोलन किया।

(4) ~~पृथक~~ राज्यों की मांग को लेकर आंदोलन → गोरखालैंड की अलग राज्य की मांग व उसके लिए हिंसा इसी का उदाहरण है। अपने को बंगाली लोगों से पृथक सांस्कृतिक समुदाय मानने वाले गोरखा ~~लोग~~ अपने लिये अलग राज्यों की मांग कर रहे हैं।

→ सार्वजनिक की विफलता
→ राजनीति – अलगाव
→ प्रशासनिक और विफलता

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(2½)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	1	1	1/4	1/3	—	✓
Grade		c	c				

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

15. विविधता में एकता भारतीय संस्कृति की द्योतक है परंतु विविधता में कट्टरतावाद की उपस्थिति भारत की अखंडता को चुनौती देती है। स्पष्ट करें। (250 शब्द) 12.5

Unity in diversity is indicator of Indian culture, but presence of fundamentalism in diversity challenges the integrity of India. Elucidate. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत एक बहुभाषी, बहुजातीय व बहुधार्मिक समाज रहा है। फिर भी इसने एकता को बनाये रखा है। नेहरू जी ने 'Discovery of India' में लिखा है - 'भारत का सिंहावलोकन करने वाले भारतीय विविधता में एकता को भारत की अनुपम देन मानते हैं।' भारत में प्रारम्भ से ही सहिष्णुता की संस्कृति रही है। कई महत्वपूर्ण धर्मों का उदय भारत से ही हुआ इसके अलावा हमने ईसाइयों, यहूदियों, पारसियों आदि को जरूरत पड़ने पर संरक्षण भी दिया।

परन्तु वर्तमान समय में इस विविधता में कट्टरवादी प्रवृत्तियों का प्रभुत्व तेजी से बढ़ा है - मुजफ्फरनगर (UP) दंगा, असम दंगा आदि इसी ओर परिलक्षित करते हैं इनसे —

(1) हिंसा के दौरान बड़ी जन-माल की हानि होती है
(2) देश की एकता व अखण्डता को खतरा पहुँचता है
(3) यह देश के लोकतंत्र व धर्मनिरपेक्षता के आदर्शों के खिलाफ जाता है
(4) ये मानवाधिकारों का व्यापक हनन भी करती है
(5) साथ ही इनसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश की गलत ख्याति भी बनती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

हाल ही में गौरक्षा दलों (Cow vigilante group) द्वारा अल्पसंख्यक समुदायों पर हमले अत्यंत ही घृणित कार्य है। इसके साथ ही प्रमुख Rationalist की हत्या (नरेन्द्र दाभोलकर की हत्या, m.m. कालाबुर्गी की हत्या व हाल ही में प्रमुख पत्रकार गौरी लंकेश की हत्या) एक प्रमुख चिंता का विषय है। यह भारत में बढ़ते धार्मिक कट्टरतावाद को दिखाता है।

इसी के साथ ईसाई समुदाय के लोगों पर धर्मांतरण का आरोप लगाकर उन पर हमले, 'घर वापसी' 'लव जिहाद' जैसे उभरते नये कदम इसी बढ़ती असहिष्णुता व कट्टरता के उदाहरण है।

महात्मा गांधी मानते थे - "जब विश्वास अंधा हो जाता है, तो मर जाता है।" अतः जिस तरह प्रकृति में परिवर्तन होता है उसी तरह विश्वासों में भी परिवर्तन स्वीकार किया जाना चाहिए तभी एक सच्चे अर्थों में 'सबका भारत व सबके लिये भारत' की संकल्पना साकार हो सकेगा।

- J&K में
- MH में दूसरे राज्यों के लोगों पर अत्याचार
- N.E राज्य – विद्रोह
- WB में तनाव

3

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1½	1	—		1/4	✓
Grade	B	C	C			B	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

16. उत्तर-पूर्व भारत के राज्य न केवल आंतरिक विकास हेतु अपितु भारत के विदेशी संबंधों के निर्धारण में और महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं; परंतु विकास की कमी ने न केवल इन राज्यों में अशांति एवं विद्रोह को जन्म दिया है बल्कि यहाँ के निवासियों को भावनात्मक तौर पर भी अलग कर दिया है। परीक्षण करें। (250 शब्द) 12.5

North-Eastern states of India can play an important role not only in internal development but also in determining the foreign relations of India; but lack of development in these states not only led to insurgency and revolt rather seperated the residents emotionally also. Examine. (250 words) 12.5

कहा जाता है कि उत्तर पूर्व राज्यों के पिछड़ापन ने भारत के विकास की गति को ही केवल मंद नहीं किया है बल्कि अलगाववाद को भी बढ़ावा दिया है। (योजना आयोग रिपोर्ट 2008)

उत्तर पूर्व के राज्य केवल भारत ही नहीं बल्कि भारत के आसियान देशों के साथ जुड़ाव के लिए एक पुल (Bridge) का काम करते हैं। परन्तु उत्तर पूर्व के राज्यों का अवसंरचनात्मक पिछड़ापन, औद्योगिक पिछड़ापन इस संभावना को धूमिल करता है। आज ये राज्य मात्र 23 किमी॰ की chicken neck से जुड़े हैं जो अत्यधिक ट्रैफिक का शिकार है। इसके अलावा इन राज्यों की भौगोलिक स्थिति (पहाड़ी क्षेत्र) भी इनके यहाँ अवसंरचना विकास में बाधक का काम करती है। इसी कारण यहाँ बैंकिंग, बीमा जैसी सेवाओं का अभाव है (विद्युत की भी पर्याप्त आपूर्ति नहीं) अतः ये सभी यहाँ उद्योगों की उपस्थिति को भी हतोत्साहित करती हैं।

इसके कारण यहाँ के निवासियों में हमेशा अलगाववाद की भावना रही क्योंकि इनका न तो आर्थिक विकास हुआ

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

न ही सामाजिक। साथ ही राष्ट्रीय राजनीति में भी इन राज्यों की पहुँच बहुत कम है। अतः इसी अलगाववादी भावना का ही लाभ उठाकर चीन ने 1962 के युद्ध के बाद, कई उग्रवादी संगठनों को बढ़ावा दिया।

अभी भी इन राज्यों में अलगाववादी तत्वों की उपस्थिति (NSCN) भारत के लिए समस्या है। सरकार ने इन राज्यों की स्थिति में सुधार के कई प्रयास किये हैं –

(1) कनेक्टिविटी के लिए – बांग्लादेश से एक कॉरीडोर की बातचल रही है, कालादान मल्टीमोडल प्रोजेक्ट पर म्यानमार के साथ प्रयास हो रहे हैं। इसके अलावा Border Road Organization द्वारा भी सीमावर्ती राज्यों में कई सड़क परियोजनाओं का निर्माण हो रहा है।

(2) विद्युत उपलब्धता के लिए एक राष्ट्रीय ग्रिड का निर्माण, जल विद्युत की उपलब्धता व उत्पादन को बढ़ाना आदि प्रयास हो रहे हैं।

(3) हाइड्रोकार्बन विजन 2035 उत्तर पूर्व के लिए घोषित की गयी है।

(4) सरकार ने उद्योगों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए उत्पादशुल्क व निगम कर में कई तरह के लाभों की भी घोषणा की है।

(5) एक पृथक मंत्रालय 'उत्तर पूर्व मामलों का मंत्रालय' बनाया गया।

अपेक्षा

प्रश्न को ध्यानपूर्वक पढ़ें

आंतरिक विकास और विदेशी संबंधों में भूमिका ?

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

2

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1/2	1/2	1/4	1/4	1/4	✓
Grade	B	D	D	C	B	B	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

17. नक्सलवाद वास्तव में अधिकार के संरक्षण एवं विकास की सुनिश्चितता हेतु लड़ाई है। इस संदर्भ में सरकार द्वारा अपनाई गई नीतियों पर चर्चा करें। हाल की घटनाओं को देखते हुए क्या यह कहा जा सकता है कि अब नक्सलवाद के प्रति नई रणनीति अपनाए जाने की आवश्यकता है? टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Naxalism is essentially a fight for conservation of rights and development. Discuss the policies adopted by government in this context. By observing recent incidents, can we say that, there is a need to adopt a different strategy against Naxalism? Comment. (250 words) 12.5

वास्तव में नक्सलवाद को एक 'सामाजिक न्याय' की अवधारणा से भी जोड़कर देखा जाता है। अत: सरकार ने नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए कई रणनीति बनायी है—

① सुरक्षा नीति पर त्रिस्तरीय नीति रही है

(a) clear – क्षेत्र को नक्सलों से मुक्त करना (सुरक्षा बलों की त्वरित कार्यवाही से)

(b) Hold – क्षेत्र पर सरकारी एजेंसियों का नियंत्रण बनाये रखना

(c) Development – क्षेत्र का विकास ताकि पुन: नक्सलों का प्रवेश न हो सके

परन्तु अधिकतर क्षेत्रों में अभी ऊपर की दो नीतियों में ही सफलता नहीं मिल पायी है।

② विकास – इसके लिए IAP (Integrated Action Plan) चलाया गया परन्तु इसके प्रयास भी नाकाफी रहे हैं

अत: कहा जाता है कि इनसे निपटने के लिए एक नयी रणनीति की [illegible] है।

अन्य कार्यक्रमों / परियोजनाओं / नीतियों (कानूनों) का उल्लेख करें

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

नयी रणनीति

हाल की घटनाएं ?

(1) सुरक्षा – (a) अर्द्धसैनिक बलों की क्षमता बढ़ाना

(b) COBRA जैसे प्रशिक्षित बलों की नियुक्ति

(c) राज्यों के विशेष प्रयास – आंध्र प्रदेश का Grey hounds

(2) विकास – भूमि अधिग्रहण कानून का क्रियान्वयन

खाद्य सुरक्षा " "

PESA कानून " "

(3) सुशासन – Winning Heart & mind (WHAM) नीति पर कार्य

(4) विशासन ⇒ 5वीं अनुसूची के क्षेत्रों को 6वीं अनुसूची के दायरे में लाये जाने पर बल

3½

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	1½	1½	¼	¼ –	—	—
Grade		C	C	C	B		

Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation